यूपी-जापान इंवेस्टमेंट मीटः सीएम बोले-मजबूत पार्टनरशिप से पैदा होंगे इंडस्ट्री और एम्प्लॉयमेंट के नए अवसर

ग्लोबल फ्यूचर की ओर बढ़ रही यूपी-जापान की साझेदारीः योगी

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जापान के प्रिसिजन और टेक्नॉलजी को उत्तर प्रदेश के स्केल, युवा शक्ति और टैलंट से जोड़ते हुए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का मजबूत केंद्र बनाने की दिशा में काम होगा। 2047 के भारत के उद्योग आज डिजाइन हो रहे हैं और यूपी चाहता है कि जापान के साथ इनका भविष्य तैयार किया जाए। सीएम ने कहा कि कुछ दिन पूर्व जापान की धरती पर जो संकल्प लिया गया था, आज लखनऊ में उसे साकार होते देखा जा रहा है। जापान की बातचीत अब स्ट्रांग बिजनेस पार्टनरशिप में बदल रही है, जो उत्तर प्रदेश में इंवेस्टमेंट, इंडस्ट्री और एम्प्लॉयमेंट के नए अवसरों का आधार बनेगी।

कार्बन उत्सर्जन कम कर सकती है ग्रीन हाइड्रोजनः शर्मा

यूपी और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच शुक्रवार को ग्रीन हाइड्रोजन पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दस्तखत हुए। इसके तहत यूपी में हर साल एक मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की मौजूदगी में हुए समझौते में यामानाशी मॉडल और पावर टू गैस (पी2जी) तकनीक पर पायलट परियोजना शुरू होगी। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग उद्योगों में ताप ऊर्जा, भारी वाणिज्यिक वाहनों जैसे बसों और ट्रकों कार्बन उत्सर्जन कम करने में भूमिका निभा सकता है।

दुनियाभर में पहुंचें उत्तर प्रदेश के खाद्य उत्पादः केशव

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश के खाद्य उत्पाद को दुनियाभर में पहुंचाने में जापान मदद करेगा। फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में जापान की उन्नत तकनीक कैसे यूपी की मदद कर सकती है, इस विषय पर सत्र का आयोजन किया गया।

सत्र को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्पष्ट है, उत्तर प्रदेश के खाद्य उत्पाद दुनियाभर की डाइनिंग टेबल तक पहुंचे। उपजाऊ भूमि, पर्याप्त जल संसाधन, मेहनतकश किसान और युवा कार्यबल के साथ राज्य में वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण हब बनने की क्षमता है। उप मुख्यमंत्री ने जापानी कंपनियों को यूपी में निवेश, नवाचार और विकास के लिए आमंत्रित किया। सत्र के दौरान भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने कहा कि हमें ऐसी व्यावहारिक साझेदारियां विकसित करनी चाहिए, जो तकनीक, निवेश और कौशल को स्थानीय अवसरों से जोड़ें और दोनों पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य का निर्माण करें। किक्कोमन इंडिया के निदेशक हैरी हकुई कोसाटो ने कहा कि जापानी कंपनियों को भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद और जरूरतों के अनुरूप अपने उत्पादों को ढालना होगा। कार्यक्रम के दौरान गोल्डी ग्रुप के निदेशक सुदीप गोयनका और अमूल (बनास डेयरी) के यूपी ऑपरेशंस प्रमुख दिनेश कुमार चौधरी भी मौजूद थे।

जापान को डॉक्टर, तकनीशन मुहैया कराने में अहम भूमिका निभा सकता है यूपीः ब्रजेश

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** जापान को प्रशिक्षित और कुशल मैनपावर जैसे डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ मुहैया करवाने में उत्तर प्रदेश संभावनाएं तलाश रहा है। इसके संकेत शुक्रवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी-जापान हेल्थकेयर ऐंड केयर इकॉनॉमी पार्टनरशिप के सेक्टोरल सेशन में दिए।

यूपी-जापान हेल्थकेयर ऐंड केयर इकॉनॉमी पार्टनरशिप में निवेश, रोबॉटिक्स, मेडिकल एजुकेशन और स्किल्ड मैनपावर पर हुआ मंथन

डिप्टी सीएम ने कहा कि जापान तकनीक, गुणवत्ता और कार्यकुशलता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, जबकि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी युवा आबादी और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जापान में प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए उत्तर प्रदेश वहां डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ और मेडिकल तकनीशन उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जापान की तकनीक और उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति का संगम विकास की नई संभावनाएं पैदा करेगा। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि 'हर हाथ को काम' सरकार का संकल्प है और इसे विदेश में भी रोजगार के अवसरों से जोड़कर पूरा किया जाएगा।

विकसित किए जाएंगे विशेष प्रशिक्षण केंद्रः कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित घोष ने कहा कि हेल्थकेयर सेक्टर में जापान के साथ सहयोग के लिए उत्तर प्रदेश में व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि फार्मा क्षेत्र में एक ही दिन 12 कंपनियों के साथ एमओयू किए गए। इस दौरान कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.हरिओम, श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.एम. के. शन्मुगा सुन्दरम, कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे और स्टेप फाउंडेशन की डायरेक्टर मानसी कसलीवाल ने भी विचार व्यक्त किए।

निवेश प्रस्तावों का 90 दिनों में होगा रिव्यू

इंवेस्ट यूपी में डेडिकेटेड यामानाशी डेस्क स्थापित की जाएगी, जो यामानाशी सरकार, वहां के उद्योगों और निवेशकों के साथ निरंतर समन्वय करेगी। दोनों पक्ष इंवेस्टमेंट प्रॉजेक्ट्स, इंडस्ट्री की आवश्यकताओं, अप्रूवल्स और सामने आ रही चुनौतियों की हर 90 दिन में कोऑर्डिनेशन के साथ रिव्यू करेंगे, ताकि किसी भी स्तर पर कोई गैप न रहे।

'यामानाशी बनेगा जापान में यूपी पर्यटन का नया प्रवेश द्वार'

मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'यामानाशी जापानी पर्यटकों को उत्तर प्रदेश से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रदेश सरकार की मंशा यामानाशी को उप्र के पर्यटन के लिए जापान में एक मजबूत प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने की है। वहीं, उत्तर प्रदेश को जापानी पर्यटकों के लिए स्वाभाविक पर्यटन गंतव्य बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

निवेश का गंतव्य बनकर उभर रहा उत्तर प्रदेशः नन्दी

कार्यक्रम के दौरान औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने कहा कि जापान अपनी आधुनिक तकनीक, परिश्रम, और अनुशासन के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। वहीं, उत्तर प्रदेश अपनी बड़ी युवा आबादी, व्यापक उपभोक्ता बाजार और विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाओं के कारण निवेश का एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभर रहा है।

वास्तविक बिजनेस आउटकम पर हो फोकसः नागासाकी

यूपी-जापान इंवेस्टमेंट मीट में यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और जापान के बीच सहयोग अब केवल संवाद, बैठकों और एमओयू तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे ठोस परियोजनाओं और वास्तविक बिजनेस अवसरों में बदलना होगा। नागासाकी ने मानव संसाधन, विशेषकर नर्सिंग, नर्सिंग केयर को सहयोग क्षेत्र बताया। यूपी-यामानाशी साझेदारी का अगला चरण 'पहले समझे, फिर साझेदार खोजे और अंत में मिलकर ठोस प्रॉजेक्ट तैयार करें' होना चाहिए।

मिले दोनों देशों के Gen-Z, चर्चा में डोरेमोन व बिंदी

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** सीएम आवास शुक्रवार को 'जेन-जी' डिप्लोमेसी का गवाह बना। मौका था यूपी-जापान निवेश बैठक के क्रम में आयोजित 'ए डायलॉग बिटवीन द फ्यूचर' का। संवैधानिक प्रतिनिधियों के सामने दोनों ही जगहों के जेन जी आपस में मुखातिब हुए तो सुर भी मिले, फैशन व मनोरंजन के राज भी साझा हुए। बिंदी से लेकर डोरेमोन तक चर्चा में आए। युवा मेहमानों ने सीएम के साथ खूब सेल्फी भी खींची। यह चरण जापान से आए 13 स्टूडेंट्स के बीच लखनऊ के विभिन्न स्कूलों के स्टूडेंट्स से संवाद का था।

मेजबानी और बाइक

पहली बार देश से बाहर निकले जापान के कजामा यहां की मेहमाननवाजी से अभिभूत दिखे। उन्होंने कहा कि भारत की सड़कों पर इतनी सारी बाइक और गाड़िया देखना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। टोक्यो में ऐसा अनुभव कम मिलता है। मुझे ताजमहल की भव्यता ने मुझे बहुत प्रभावित किया। मियागी मोतो बोलीं, मैं पहले भी कई देशों के विद्यार्थियों के साथ ऐसे संवाद कार्यक्रमों का हिस्सा रही हूं, लेकिन भारत का अनुभव अपने आप में अलग है।

मिले सुर, मेरा तुम्हारा

लखनऊ की छात्रा अक्षरा पांडेय ने जापानी भाषा में 'अरिगातो' कहकर मेहमानों का स्वागत किया। अपने बचपन की याद साझा करते हुए कहा कि भारत के बच्चे डोरेमोन देखते हुए बड़े हुए हैं। भारत की संस्कृति में अतिथि को भगवान का स्वरूप माना जाता है, इसलिए जापान से आए सभी विद्यार्थी यहां केवल अतिथि नहीं, अपने हैं और उनका पूरा सम्मान है। संवाद के बीच सुर भी मिले जापानी युवाओं ने अपनी भाषा में गीत गाया तो लखनवियों ने तालियों से संगत की।

'भविष्य की कहानी लिख रहे'

जापानी अभिवादन 'ओहायो गोजाइमासु' से अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए योगी ने यूपी की सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक विशिष्टताओं को रखा और कहा कि एक ओर भारत की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाले यूपी के बच्चे हैं और दूसरी ओर तकनीक, परंपरा और प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले जापान के बच्चे। एक बच्चा लखनऊ के किसी गांव से आया है और दूसरा जापान के किसी गांव से। एक हिंदी बोलता है, दूसरा जापानी, लेकिन दोनों भविष्य की कहानी लिख रहे हैं।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश संभावना तलाशेगा जापान

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश और जापान के बीच निवेश, उन्नत प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, मानव संसाधन विकास, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग को और व्यापक बनाने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जापान के साथ अपने आर्थिक और औद्योगिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। जापानी पक्ष ने बताया कि जुलाई 2026 में जापान के प्रधानमंत्री ताकाइची की भारत यात्रा के दौरान सेमीकंडक्टर को जापान-भारत आर्थिक सुरक्षा सहयोग के पांच प्राथमिक क्षेत्रों में शामिल किया गया है। इसी क्रम में जापानी उद्योग जगत की एक टीम सितंबर के मध्य में सेमीकॉन इंडिया के साथ एचसीएल टेक्नोलॉजीज का दौरा करेगी।

अटल आवासीय विद्यालय में हुआ स्वागत

■ **NBT न्यूज, गोसाईंगंज :** गोसाईंगंज के सिठौलीकला स्थित अटल आवासीय विद्यालय, लखनऊ में शुक्रवार को भारत-जापान यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत यामानाशी प्रीफेक्चर से आए 13 विद्यार्थियों और 3 अधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। छात्रों ने भारत-जापान के झंडे लहराए, गुब्बारे उड़ाए और चंदन-तिलक, विद्यालय बैंड व बांसुरी वादन से अतिथियों का अभिनंदन किया। प्रधानाचार्य सुखवीर सिंह और प्रशासनिक अधिकारी कैप्टन राजेश कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट किए। जापानी विद्यार्थियों ने आर्ट ऐंड क्राफ्ट कक्ष में कलाकृतियों का आदान-प्रदान किया। अटल आवासीय विद्यालय समिति की महानिदेशक पूजा अग्रवाल ने जापानी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न भेंट किए। कार्यक्रम में श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव, सहायक श्रमायुक्त शिप्रा चतुर्वेदी कार्यक्रम के संयोजक श्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने जाना 1090 का मॉडल

■ **NBT न्यूज, लखनऊ :** महिलाओं की सुरक्षा और शिकायतों के निस्तारण का मॉडल समझने जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर से 20 सदस्यीय महिला प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को लखनऊ पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (WCSO/1090) मुख्यालय का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली जानी। एडीजी WCSO पद्मजा चौहान के कार्यालय में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। टीम ने 1090 के पावर लाइन परिसर में कॉल ट्रैकिंग, काउंसलिंग, ऑनलाइन फैमिली काउंसलिंग और फीडबैक सेल की कार्यप्रणाली देखी। अधिकारियों ने शिकायत दर्ज करने, उसकी गोपनीयता बनाए रखने और निस्तारण के बाद पीड़िता से फीडबैक लेने की प्रक्रिया समझाई। प्रतिनिधिमंडल को पुलिस सेवा ऐप और मिशन शक्ति सेल के जरिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की जानकारी भी दी गई।